नईदुनिया

नेपाल सरकार का संगठनों से समझौता, हिंदू राष्ट्र पर तीन महीने में सर्वदलीय चर्चा शुरू करने पर सहमति

काठमांडू

विभिन्न हिंदू संगठनों के आंदोलन के बाद जागी नेपाल सरकार ने महत्वपूर्ण समझौता किया है। धनुषा के प्रमुख जिलाधिकारी प्रेम प्रसाद लुइटेल ने बताया कि इस समझौते में नेपाल को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की प्रक्रिया शुरू करने से लेकर धार्मिक स्थलों की निगरानी, विदेशी फंडिंग की जांच और धार्मिक सद्भाव बनाए रखने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदु शामिल किए गए हैं।

समझौते के अनुसार, सरकार तीन महीने के भीतर नेपाल को हिंदू राष्ट्र घोषित करने के मुद्दे पर सर्वदलीय और सर्वपक्षीय चर्चा प्रारंभ करेगी तथा आवश्यक संवैधानिक और राजनीतिक प्रक्रिया आगे बढ़ाने की पहल करेगी। लंबे समय से हिंदू संगठनों की यह प्रमुख मांग रही है।

समझौते में धार्मिक जुलूसों के दौरान हथियारों के प्रदर्शन पर भी सख्ती बरतने का निर्णय लिया गया है। विशेष रूप से मुहर्रम व अन्य किसी भी धार्मिक जुलूस में हथियार लेकर प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा, ताकि कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक को सद्भाव बनाए रखा जा सके।

धार्मिक स्थलों पर लगाए गए लाउडस्पीकरों के उपयोग को भी नियंत्रित करने पर सहमति बनी है। इसके तहत मस्जिद, मदरसा, चर्च, गुम्बा तथा अन्य धार्मिक स्थलों पर लाउड स्पीकर केवल संबंधित परिसर के भीतर सुनाई देने की सीमा तक ही बजाए जा सकेंगे।

समझौते के अनुसार, मस्जिदों, मदरसों, चर्चों और गुम्बाओं में रहने वाले लोगों की पहचान दर्ज कर उनका अभिलेख तैयार किया जाएगा। साथ ही इन स्थलों से जुड़े विदेशी नागरिकों पर निगरानी बढ़ाने का भी निर्णय लिया गया है।

सरकार ने मुस्लिम आयोग की आवश्यकता और औचित्य का पुनर्मूल्यांकन करने पर भी सहमति जताई है। यदि समीक्षा के बाद इसकी आवश्यकता नहीं पाई गई तो इसे समाप्त करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकती है।

इसके अलावा मस्जिदों और मदरसों को प्राप्त होने वाली आर्थिक सहायता और विदेशी फंडिंग की विस्तृत जांच कराई जाएगी, ताकि वित्तीय स्रोतों की पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। समझौते में वर्ष 2006/07 के बाद प्रदान की गई नेपाली नागरिकताओं की भी जांच करने का प्रावधान रखा गया है। सरकार इस अवधि में जारी नागरिकताओं की वैधानिकता की समीक्षा करेगी। धार्मिक सद्भाव बिगाड़ने के उद्देश्य से सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई करने पर सहमति बनी है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका के रेस्तरां में ताबड़तोड़ फायरिंग, देखते ही देखते बिछ गईं लाशें

वाशिंगटन। अमेरिका के आयडहो राज्य में एक बर्गर रेस्तरां में हुई अंधाधुंध गोलीबारी से दहशत फैल गई। दक्षिण आयडहो स्थित एक रेस्तरां में हुई इस घटना में हमलावर समेत कई लोगों के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। हालांकि, प्रशासन ने अभी तक मृतकों की आधिकारिक संख्या जारी नहीं की है। पुलिस का कहना है कि हमले के पीछे की वजह का पता लगाने के लिए जांच जारी है। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने बताया था कि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, लेकिन बाद में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई गई। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटनास्थल को सील कर फोरेंसिक टीम और जांच अधिकारियों ने साक्ष्य जुटाने का काम शुरू कर दिया है। प्रत्यक्षदर्शी लेन कोएहन के अनुसार, वह रेस्तरां के बाहर मौजूद थे, तभी एक व्यक्ति एआर-स्टाइल राइफल से लोगों पर गोलीबारी करने लगा। इसी दौरान वहां मौजूद एक अन्य व्यक्ति ने अपनी पिस्तौल से हमलावर पर जवाबी फायरिंग की। कुछ ही देर बाद रेस्तरां की वर्दी पहने एक कर्मचारी घायल व्यक्ति को बाहर निकालता दिखाई दिया, जिसके सीने में गोली लगी थी और काफी खून बह रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावर को भी जवाबी कार्रवाई में मार गिराया गया।

अमेरिकी रक्षा सचिव ने मांगा 1.5 ट्रिलियन डालर का रिकार्ड रक्षा बजट, निजी निवेश और नई भर्तियों से सैन्य विस्तार

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से 1.5 ट्रिलियन डालर के ऐतिहासिक रक्षा बजट की मांग की है। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की कैबिनेट बैठक के दौरान कहा कि सरकार इस विशाल बजट को सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस के साथ मिलकर काम कर रही है। हेगसेथ के अनुसार, यह बढ़ा हुआ सैन्य खर्च, निजी क्षेत्र का निवेश और रिकार्ड स्तर पर हुई नई भर्तियां अमेरिकी सुरक्षा बलों को एक नया आकार दे रही हैं। हेगसेथ ने बताया कि यह फंडिंग के पारंपरिक तरीके से अलग होगा। ट्रंप प्रशासन ने रक्षा ठेकेदारों को केवल सरकारी फंडिंग पर निर्भर रहने के बजाय निजी पूंजी का उपयोग करके अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। इसके परिणामस्वरूप, अब तक रक्षा कंपनियों द्वारा 75 बिलियन डालर का निजी निवेश हुआ है, जिससे नए प्लांट, उपकरण और असेंबली लाइन बन रही हैं। यह भविष्य के हथियारों के निर्माण को गति दे रहा है और करदाताओं के पैसे भी बचा रहा है। रक्षा सचिव ने भर्ती में भी ऐतिहासिक बढ़ोतरी का दावा किया। उन्होंने कहा कि मैरिट को शामिल करने, सोशल इंजीनियरिंग को हटाने और कमांडरों को अनुशासन लागू करने की छूट देने से भर्ती में रिकार्ड वृद्धि हुई है। हेगसेथ ने इस प्रवृत्ति को सीधे राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व और 2024 के चुनाव के दिन से जोड़ा, जब अमेरिकी लोगों ने उनके नेतृत्व में काम करने की इच्छा व्यक्त की।

नेतन्याहू की गाजा दुविधा: ट्रम्प को खुश करें या कुर्सी बचाएं

तेल अवीव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस दावे ने इजरायल में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है, जिसमें उन्होंने गाजा को लेकर ऐतिहासिक समझौता होने की बात कही थी। ट्रंप के अनुसार, समझौते में हमास हथियार छोड़ने पर सहमत हो गया है और इजरायली सेना भी गाजा से पीछे हट जाएगी। हालांकि, इस ऐलान के बाद से इजरायल में सवाल उठ रहे हैं कि क्या सच में सेना गाजा से हटेगी जहाँ ट्रम्प इस समझौते को अपनी बड़ी कूटनीतिक जीत बता रहे हैं, वहीं इजरायल ने इस समझौते को लेकर अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, और देश के भीतर इसका तीव्र विरोध हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि जब तक हमास पूरी तरह हथियार नहीं छोड़ देता, गाजा से सेना हटाने का सवाल ही नहीं उठता। इजरायल में कथित समझौते को लेकर तीव्र विरोध है क्योंकि जनता के मन में 7 अक्टूबर 2023 के हमले की कड़वी यादें ताजा हैं। हमास के उस हमले के बाद, इजरायल ने गाजा में बड़ा सैन्य अभियान छेड़ा था, जिसमें 73,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए और गाजा का बड़ा हिस्सा तबाह हो गया।

अमेरिका और इजराइल फिर ईरान में तबाही मचाने की तैयारी में, तेहरान ने भी कसी कमर

वाशिंगटन/तेल अवीव/ तेहरान

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी टकराव के भीषण रूप लेने के आसार बढ़ गए हैं। अमेरिका और इजराइल की 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ की गई एकीकृत सैन्य कार्रवाई के बाद अब फिर दोनों देश उससे भी जोरदार बमबारी करने की तैयारी कर रहे हैं। इस बार अमेरिका और इजराइल ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर (ऊर्जा से जुड़े बुनियादी ढांचे) को नष्ट करने का चक्रव्यूह तैयार किया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर ऐसा हुआ तो यह जंग खाड़ी से बाहर तक फैल जाएगी। उनके सैनिक दुश्मन के घर पर घुसकर हमला करने से नहीं चूकेंगे। ईरान की आक्रामता का मुकाबला करने के लिए इजराइली सेना ने अपनी रक्षात्मक तैयारी बढ़ा दी है।

सीबीएस न्यूज, एक्सिओस, यनेट (वाई नेट) और अल जजीरा की विस्तृत रिपोर्ट में इस सबका जिक्र किया गया है। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान मौजूदा हालात से चिंतित हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की और उन्हें ईरान पर नए सिरे से हमले करने के खिलाफ आगाह किया। उधर, अमेरिकी दूतावासों ने अम्मान (जार्डन), यरूशलेम और बगदाद सहित मध्य पूर्व की कई राजधानियों में रह रहे अमेरिकी नागरिकों को वहां से निकलने के लिए तैयार रहने को कहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने इससे पहले कैबिनेट की बैठक में कहा कि अमेरिका पीछे नहीं हटेगा। ईरान को झुकना होगा। उन्होंने दोहराया कि वियतनाम, अफगानिस्तान और कोरिया में भी युद्ध लंबे समय तक चला था। सूत्रों का दावा है कि ईरान के खिलाफ हमले इसी सप्ताहांत में शुरू हो सकते हैं। अमेरिका और इजराइल की सैन्य तैयारियों के बीच ईरान के सांसद और नेशनल सिक्योरिटी एंड फारेन पालिसी कमीशन के सदस्य इब्राहिम रेजाई ने चेतावनी दी है कि ईरान की सेना अमेरिका के किसी भी हमले का कड़ा जवाब देने के लिए तैयार है। इस बार जवाब फारस की खाड़ी तक सीमित नहीं रहेगा। दुश्मन के सभी ठिकानों पर हमले किए जाएंगे। खाड़ी में मौजूद तेल और गैस सुविधाओं को मटियामेट कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन

नेतन्याहू और ट्रंप को किसी गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए। ट्रंप की ईरान को पाषाण युग में भेजने की धमकी जगहंसाई करा चुकी है। ईरान का बाल बांका भी नहीं बिगड़ा है। ईरानी सेना का हौसला बुलंद है। मौजूदा हालात पर ईरान ने मध्यस्थ देशों से संपर्क किया है। विदेशमंत्री अब्बास अरागची ने तुर्किये, पाकिस्तान और सऊदी अरब के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने इस देशों से कहा कि वह अमेरिका को बता दें कि इसका अंजाम बहुत खराब होगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य में उमड़-घुमड़ रहे युद्ध के बादलों के बीच ब्रिटिश नौसेना ने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में एक कमर्शियल टैंकर पर हमला किया गया। दूसरे टैंकर को निशाना बनाया गया, पर उसे ज्यादा क्षति नहीं हुई। इन दोनों के पास जोरदार धमाके किए गए। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड आर्गनाइज़ेशन ने कहा कि ओमान के लीमा से 11 नाटिकल मील उत्तर-पूर्व में एक अज्ञात चीज (प्रोजेक्टाइल) जहाज से टकराई। इस हमले से जहाज का इंजन रूम क्षतिग्रस्त हो गया। एक अन्य टैंकर के पास पानी में तेजी से हलचल (स्प्लैश) और धमाके की सूचना मिली। यह टैंकर खसाब शहर से 21 नाटिकल मील उत्तर-पश्चिम में था। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, ओमान के तट पर फंसे एक प्रतिबंधित टैंकर से कच्चा तेल रिस रहा है।

ईरान समर्थक यमन के हूती विद्रोहियों का रुख कुछ नरम पड़ा है। हूती विद्रोहियों ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य में टोल वसूलने के आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है। यमन के सूचना मंत्री मोअम्मर अल-एरियानी ने हूती पर आरोप लगाया था कि वह अरब प्रायद्वीप के दूसरी ओर स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की तरह टोल वसूलने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हूती ने कहा कि बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से गुजरने वाले किसी भी जहाज से किसी किस्म का टोल नहीं वसूला जा रहा। सनद रहे पिछले महीने हूती ने केवल सऊदी झंडे वाले जहाजों के लिए समुद्री नाकाबंदी की घोषणा की थी। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के महासचिव मोहम्मद बाघेरी जोलघद्र का ने कहा कि अगर अमेरिका नए सिरे से हमला करता है तो तेहरान होर्मुज में नाकाबंदी और सख्त कर दी जाएंगी। अन्य जलमार्ग भी बंद कर दिए जाएंगे। सनद रहे 28 फरवरी को हमले के फौरन बाद ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया था। इस जलमार्ग से कभी दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस गुजरती रही है।

नेपाल के कई प्रांतों में भारी बारिश का अलर्ट

काठमांडू

नेपाल जल तथा मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, कोशी, बागमती, गण्डकी, लुम्बिनी और कर्णाली प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम पूर्वानुमान महाशाखा ने बताया कि वर्तमान में मानसूनी ट्रफ पश्चिमी नेपाल में अपनी औसत स्थिति के आसपास तथा पूर्वी नेपाल में सामान्य स्थिति से कुछ उत्तर की ओर स्थित है।

सुदूर पश्चिम प्रदेश के तराई क्षेत्र में आंशिक बादल छाए हुए हैं, जबकि देश के अधिकांश हिस्सों में आंशिक से सामान्य रूप से बादल छाए हुए हैं। कोशी, बागमती, गण्डकी, लुम्बिनी और कर्णाली प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश पहले से ही हो रही है। दिन के समय पूरे देश में सामान्य से पूर्ण रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है। पहाड़ी क्षेत्रों के कई स्थानों तथा तराई के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

वहीं, हिमालयी क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा या हिमपात हो सकता है। कोशी, बागमती, गण्डकी, लुम्बिनी और कर्णाली प्रदेश के पहाड़ी जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा की भी संभावना जताई गई है। रात के समय भी मौसम का यही क्रम जारी रहने की संभावना है। देश के अनेक हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। कोशी, बागमती और गण्डकी प्रदेश के हिमालयी क्षेत्रों के कुछ स्थानों के साथ-साथ लुम्बिनी, कर्णाली और सुदूरपश्चिम प्रदेश के हिमालयी जिलों में भी कहीं-कहीं मध्यम वर्षा या हिमपात का पूर्वानुमान है। विभाग ने मधेश प्रदेश के अधिकांश तराई क्षेत्रों तथा कोशी, बागमती, गण्डकी और लुम्बिनी प्रदेश के तराई इलाकों में भी मध्यम वर्षा की संभावना जताई है। सुदूरपश्चिम के तराई क्षेत्र के कुछ स्थानों पर भी बारिश हो सकती है। इसके अलावा, कोशी, बागमती और गण्डकी प्रदेश के हिमालयी, पहाड़ी और तराई क्षेत्रों के कुछ स्थानों तथा मधेश प्रदेश और लुम्बिनी के तराई क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी से अत्यधिक भारी वर्षा होने की भी आशंका है।

मौसम विभाग ने संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने चेतावनी दी है कि भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़, भूस्खलन, मलबा बहाव और मिट्टी कटाव जैसी घटनाएं हो सकती हैं। साथ ही, प्रतिकूल मौसम का असर दैनिक जनजीवन, कृषि, स्वास्थ्य सेवाओं, पर्यटन, पर्वतारोहण तथा सड़क और हवाई यातायात पर भी पड़ सकता है। विभाग ने नागरिकों से मौसम संबंधी नवीनतम बुलेटिन पर लगातार नजर बनाए रखने की सलाह दी है।

सांपों की ताकत और लंबाई जानकर हैरत में पड जाएंगे आप

न्यूयार्क। क्या आप जानते हैं कि दुनिया का सबसे लंबा सांप रेटिकुलेटेड पायथन माना जाता है। यह मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया के घने जंगलों में पाया जाता है और इसकी लंबाई 20 से 30 फीट या उससे भी अधिक हो सकती है। यह जहरीला नहीं होता, बल्कि अपने मजबूत शरीर से शिकार को कसकर पकड़ता है और उसका दम घोंटकर उसे निगल जाता है। ग्रीन एनाकोंडा को दुनिया का सबसे भारी सांप माना जाता है। यह दक्षिण अमेरिका के दलदली इलाकों, नदियों और वर्षावनों में रहता है। इसकी लंबाई सामान्यत: 20 से 25 फीट तक होती है, जबकि वजन 200 किलोग्राम से अधिक हो सकता है। पानी में रहने और तैरने की इसकी क्षमता इसे बेहद खतरनाक शिकारी बनाती है। बर्मीज पायथन भी विशाल सांपों की सूची में प्रमुख स्थान रखता है। दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में मिलने वाला यह अजगर 16 से 23 फीट तक लंबा हो सकता है।यह अपनी ताकत के साथ-साथ बेहतरीन तैराकी के लिए भी जाना जाता है और विभिन्न प्रकार के जानवरों का शिकार करता है। अफ्रीकन राक पायथन अफ्रीका का सबसे बड़ा सांप माना जाता है। इसकी लंबाई करीब 20 फीट तक पहुंच सकती है। यह अत्यंत शक्तिशाली और आक्रामक स्वभाव का होता है तथा अपने शिकार को जकड़कर उसका दम घोंट देता है। इसी वजह से इसे दुनिया के सबसे खतरनाक अजगरों में भी गिना जाता है।

सऊदी अरब की प्यास बुझाने के लिए अंटार्कटिका से हिमखंडों का सफर: 1977 की अनोखी योजना

रियाद

करीब पांच दशक पहले, सऊदी अरब में मीठे पानी की गंभीर समस्या का समाधान खोजने के लिए बेहद अनोखी वैज्ञानिक योजना पर विचार हुआ था। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत, अंटार्कटिका से विशाल हिमखंडों (आइसबर्ग) को समुद्र के रास्ते खींचकर अरब प्रायद्वीप तक लाने का विचार था। इस अवधारणा की व्यवहार्यता परखने के लिए, वर्ष 1977 में अलास्का से एक विशाल बर्फ का टुकड़ा हजारों किलोमीटर दूर अमेरिका के आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी तक पहुंचाया गया, ताकि वैज्ञानिक वास्तविक ग्लेशियर की बर्फ का अध्ययन कर सकें।

यह पहल सऊदी अरब के राजकुमार मोहम्मद अल-फैसल के समर्थन से शुरू हुई थी। वह उस समय सऊदी अरब के समुद्री जल को मीठा बनाने (डिसेलिनेशन) कार्यक्रम की देखरेख कर रहे थे और उनका मानना था कि डिसेलिनेशन प्रभावी होते हुए अत्यधिक महंगा और ऊर्जा-गहन विकल्प है। इसलिए उन्होंने प्राकृतिक हिमखंडों को मीठे पानी के वैकल्पिक स्रोत के रूप में उपयोग करने की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार किया। इस विचार को आगे बढ़ाने के लिए, अक्टूबर 1977 में आयोवा के एम्स शहर में फर्स्ट

इंटरनेशनल कान्फ्रेंस आन आइसबर्ग यूटिलाइजेशन का आयोजन किया गया, जिसमें 18 देशों के लगभग 200 वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान, प्रतिभागियों को केवल सैद्धांतिक चर्चाओं तक सीमित न रखकर, वास्तविक हिमखंड की बर्फ का अध्ययन कराने का निर्णय लिया। इसी उद्देश्य से, अलास्का की पोर्टेज झील से करीब 1,133 किलोग्राम वजनी बर्फ का एक टुकड़ा हेलीकाप्टर, विमान और रेफ्रिजरेटेड ट्रक की जटिल श्रृंखला के माध्यम से आयोवा लाया गया। इस पूरी प्रक्रिया पर उस समय करीब 8,500 अमेरिकी डालर खर्च हुए, जिसके कारण इसे दुनिया का सबसे महंगा बर्फ का टुकड़ा कहा गया। राजकुमार अल-फैसल ने उद्देश्य से आइसबर्ग ट्रांसपोर्ट इंटरनेशनल नामक कंपनी भी बनाई थी, जिसका लक्ष्य लगभग 10 करोड़ टन वजनी हिमखंडों को विशेष प्लास्टिक और सेलब्लाथ से ढककर शक्तिशाली टगबोट्स के माध्यम से अंटार्कटिका से सऊदी अरब तक लाना था।

फ्रांस के द्वीप पर गधे घूमते है रंग-बिरंगी और चेकदार पैंट पहनकर

पेरिस

फ्रांस के एक खूबसूरत द्वीप पर गधे बाकायदा इंसान जैसी पैंट या पजामा पहनकर घूमते हैं। फ्रांस के पश्चिमी तट पर ला रोशेल के पास स्थित इल-दे-रे नामक एक बेहद खूबसूरत टापू मौजूद है। यह टापू अपने रेतीले समुद्र तटों, शांत माहौल और ठंडी हवाओं के लिए पर्यटकों के बीच बेहद मशहूर है।

इस टापू की सबसे अनूठी पहचान यहां रहने वाले गधे हैं, जो किसी आम जानवर की तरह नहीं, बल्कि रंग-बिरंगी और चेकदार पैंट पहनकर सड़कों व पार्कों में घूमते हुए दिखाई देते हैं। इन गधों को स्थानीय रूप से एन्स एन कुलोट यानी पैंट पहने हुए गधे कहा जाता है। ये कोई सामान्य गधे

नहीं हैं, बल्कि यह गधों की सबसे बड़ी और दुर्लभ प्रजातियों में से एक पाइटौ नस्ल के गधे हैं। फ्रांस के पाइटौ क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले इन गधों की सबसे बड़ी खासियत इनका भारी-भरकम शरीर और उस पर लटकते हुए लंबे, उलझे और घने बाल होते हैं, जिन्हें कादानेत कहा जाता है। अपनी ताकत और लंबे कद-काठी के कारण प्राचीन समय में इन गधों का इस्तेमाल इल-दे-रे टापू के नमक के दलदली मैदानों और खेतों में बोझा ढोने और काम करने के लिए किया जाता था। अब सवाल यह उठता है कि इन गधों को पैंट पहनाने की जरूरत क्यों पड़ी

दरअसल, जब ये गधे नमक के दलदली मैदानों और खेतों में काम करते थे, तो दलदल में पनपने वाले जहरीले मच्छर और कीड़े-मकोड़े इनकी टांगों पर काटकर इन्हें बहुत परेशान करते थे। कीड़ों के काटने से गधों के पैरों में गंभीर इन्फेक्शन हो जाता था। इस समस्या का अनोखा हल निकालते हुए इनके मालिकों ने पुराने पर्दे वाले कपड़ों या गद्दों के कवर वाले धारीदार कपड़ों से गधों की चारों टांगों के लिए पजामा सिलना शुरू कर दिया। काम पर जाने से पहले रोज सुबह गधों को यह पैंट पहना दी जाती थी, जिससे कीड़े उनके पैरों तक न पहुंच सकें और उन्हें संक्रमण से बचाया जा सके। आजकल मशीनीकरण के कारण नमक के मैदानों में इन गधों से काम लेना बंद कर दिया गया है। लेकिन, इसके बावजूद यह परंपरा आज भी पूरी तरह से जिंदा है और काम कर रही है! हालांकि, अब इसका उद्देश्य बदल चुका है।

अब गधों को खेती के लिए नहीं, बल्कि इस ऐतिहासिक परंपरा को जीवित रखने और टापू पर आने वाले पर्यटकों व बच्चों को आकर्षित करने के लिए पैंट पहनाई जाती है। टापू के सेंट-मार्टिन-दे-रे स्थित बारबेट पार्क में पर्यटक अप्रैल से अक्टूबर के महीनों में आज भी इन पैंट पहने गधों को देख सकते हैं, उनके साथ तस्वीरें खिंचवा सकते हैं और उनकी सवारी का लुत्फ उठा सकते हैं।

एक दौर था जब पाइटौ नस्ल के खच्चरों की पूरी दुनिया में भारी मांग थी और इन्हें दुनिया का सबसे बेहतरीन कामकाजी खच्चर माना जाता था। मध्य 20वीं सदी तक हर साल 30,000 से ज्यादा खच्चरों को दुनिया भर में निर्यात किया जाता था। लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मशीनों के आने से इनकी मांग खत्म हो गई और 1977 तक दुनिया में सिर्फ 44 शुद्ध पाइटौ गधे ही बचे थे।